बृहस्पतिवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
31 जुलाई 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 175
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पंचायत चुनाव में युवाओं का दबदबा

●छोटी सरकार के गठन को मतगणना जारी
●महिलाओं की ग्राम विकास में बढ़ी भागीदारी
●दर्जनों सीटों पर कांटे का मुकाबला देखा गया

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में छोटी सरकार के गठन के लिए हुए चुनाव के परिणाम अब सामने आने शुरू हो गए हैं। आज सुबह 10 जिलों के 89 विकास खण्डो में बने मतगणना स्थलों पर मतों की गिनती का काम शुरू हुआ। दोपहर 3 बजे तक बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान पदों के नतीजे आ चुके थे तथा कुछ क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायतो के नतीजे भी आ चुके थे लेकिन मतगणना का काम देर रात तक पूरा हो सकेगा। क्योंकि छोटी सरकार के लिए होने वाले इस चुनाव में वैलिड पेपर पर चुनाव होता है जिसकी गणना में ईवीएम की तुलना में अधिक समय लगता है।

अब तक मिले चुनावी नतीजों में जो कुछ खास देखा गया है वह इस बार जनता का युवा चेहरों पर अधिक भरोसा जताया जाना और मातृशक्ति को अधिक प्राथमिकता दिया जाना है। अब तक मिले परिणामों में 646 ग्राम प्रधान और 91 क्षेत्र पंचायत तथा 6 जिला पंचायत सदस्यों के परिणाम घोषित किये जा चुके हैं। घोषित विजय प्रत्याशियों में अधिकांश युवा और महिलाएं हैं।

चमोली की एक सीट पर प्रधान पद पर 23 वर्षीय नितिन को विजय मिली है। मुकाबले में उनके प्रतिद्वंदी प्रत्याशी रविंद्र को भी उनके बराबर ही 139 वोट मिले थे लेकिन लॉटरी से हुए फैसले में नितिन ने बाजी मार ली। उधर ऐसा ही एक कांटे का मुकाबला चमोली के नारायण बगड़ ब्लॉक की पंचायत कोट में प्रधान पद पर देखने को मिला जिसमें रजनी देवी ने 73 वोट हासिल कर अपने प्रतिद्वंदी कुलदीप सिंह को मात्र एक वोट से हरा दिया कुलदीप को 72 वोट मिले थे।

12 जिलों के 89 विकास खण्डो के लिए कुल 3258 (पदों) सीटों के लिए हुए इस चुनाव में 17564 ग्राम प्रधान प्रत्याशी, 1587 जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी, 4235 ग्राम पंचायत सदस्य प्रत्याशी और 9194 क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। जिनके चुनाव के लिए दो चरणों में 24 व 28 जुलाई को मतदान हुआ था। आज मतगणना के लिए सभी 89 विकास खण्डों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे तथा 9 हजार सुरक्षाकर्मी व 15 हजार मतगणना कर्मीलगाए गए हैं सभी जिलों के अधिकारी मतगणना स्थलों पर चौकसी कर रहे हैं। प्रत्याशियों का हर मतगणना स्थल पर जमावड़ा है। जिस भी प्रत्याशी का परिणाम घोषित हो जाता है वह अपने समर्थकों के साथ बाहर आ जाता है। विजय प्रत्याशी फूल मालाओं से लदा होता है जबकि हारे हुए प्रत्याशी निराश लौटते दिखते हैं।

पंचायत चुनाव किसी पार्टी के सिंबल पर नहीं लड़े जाते तथा राजनीतिक दलों के समर्थित प्रत्याशी ही होते हैं। इसलिए पूरा चुनाव परिणाम आने पर यह पता चल पाता है कि किसी राजनीतिक दल का पलड़ा भारी रहा।

दून वैली मेल

संपादकीय

सवालों पर सरकार लाजवाब क्यों?

किसी भी देश की संसद में अगर 16 घंटे लंबी चर्चा होती है तो वह मुद्दा कितना संवेदनशील है इसके लिए किसी तर्क की जरूरत नहीं है। अव्वल तो सरकार ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार ही नहीं थी किसी तरह विपक्ष के भारी दबाव के बाद वह इसके लिए तैयार भी हुई तो जिस तरह के तर्क देश के रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और प्रधानमंत्री द्वारा इस बहस के दौरान दिए गए तथा विपक्ष के नेताओं ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े जो अहम सवाल उठाए गए जिन्हें देश के लोग भी जानना चाहते थे उन सवालों का अनुउत्तरित ही रह जाना यह बताता है कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सरकार कितनी गंभीर है और वह कैसे अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है। भले ही मीडिया रिपोर्ट भी उस सच को दिखाने से बचती दिख रही हो लेकिन देश के उन लोगों के मन में स्थिति बहुत हद तक साफ जरूर हो गई है जिन्होंने भी इस मुद्दे पर हुई संसद कार्यवाही को लाइव टीवी पर देखा है। विपक्ष का पहला सवाल यही था कि जब भारत इस युद्ध या संघर्ष में जीत रहा था तब उसने युद्ध विराम (सीज फायर) का फैसला क्यों किया क्या यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में लिया गया? इस सवाल पर सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री से लेकर रक्षा मंत्री तक ने जो भी कहा गया वह न तो स्पष्ट था और न सच था। राहुल गांधी ने तो सदन में खुली चुनौती दी कि अगर प्रधानमंत्री मोदी में दम है तो वह सदन में कहें कि ट्रंप ने झूठ बोला है ट्रंप झूठे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने 29 बार यह कहा है कि उन्होंने परमाणु संपन्न दो देशों के बीच सीज फायर करा कर एक बड़े खतरे को टाल दिया है। इसके जवाब में राजनाथ ने सदन में खुद ही यह कहकर कि महज 21 मिनट में हमने अपना मिशन पूरा कर लिया और पाकिस्तान को कह दिया था कि वह कोई जवाबी कार्यवाही न करें अब हम भी हमले रोक देते हैं तथा हमने पाकिस्तान के सैनिक ठिकानों पर हमला नहीं किया, यह साफ कर दिया था कि ऑपरेशन सिंदूर का सच क्या था। पाकिस्तान द्वारा भारत के कितने जेट मार गिराये गये और इसमें भारतीय सेना को कितना नुकसान हुआ? इस सवाल का भी कोई साफ जवाब सरकार की तरफ से नहीं दिया गया। सत्ता में बैठे लोग जो यह दावा करते रहे हैं कि हमने इस ऑपरेशन में सेना को खुली छूट दी थी और हमारा कोई भी सैन्य नुकसान नहीं हुआ। उसका कैप्टन शिवकुमार इंडोनेशिया में सार्वजनिक मंच से पहले ही बता चुके हैं कि हमारे कितने जेट मार गिराए गए यह संख्या कितनी थी यह भले ही उन्होंने न बताई हो लेकिन हमारे जेट को नुकसान हुआ है उन्होंने इसका कारण भी बताया कि ऐसा राजनीतिक प्रतिबंध के कारण हुआ क्योंकि हमें केवल आतंकी ठिकानों पर ही हमले का आदेश था सैन्य ठिकानों पर नहीं। एक अन्य सवाल पहलगाम में सुरक्षा एजेंसियों की विफलता का था पहलगाम हमले की जानकारी समय रहते क्यों नहीं थी? और अगर थी तो वहां सुरक्षा इंतजाम क्यों नहीं थे? इसका जवाब भी सरकार इस चर्चा में नहीं दे सकी। इसे इत्तेफाक कहा जाए या फिर एक सुनियोजित षड्यंत्र जिसे लेकर भी अब सवाल उठना लाजिमी है कि पहलगाम की घटना के बाद से लेकर ऑपरेशन सिंदूर जैसी बड़ी कार्यवाही के बावजूद भी पहलगाम के दोषी आतंकी 100 दिन तक क्यों सुरक्षा बलों के हत्थे नहीं चढ़े वह 100 दिनों तक कश्मीर की सैर करते रहे और सिंदूर पर चर्चा वाले दिन ही सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें मुठभेड़ में मार गिराया। यह अविश्वसनीय इसलिए भी है क्योंकि सुरक्षा बल एक छोटे राज्य में छिपे रहने वाले इन आतंकियों को इतने दिनों में भी क्यों नहीं ढूंढ पाई क्या यह आतंकी इसीलिए कश्मीर में 100 दिनों तक छिप रहे थे कि सेना उन्हें ढूंढ कर मार सके? बहुत सारे सवाल हैं जिनके उत्तर सरकार के पास नहीं है। लेकिन इन अनुत्तरित सवालों का बड़ा सच इस चर्चा ने जनता को दे दिया है।

शहीद उधम सिंह को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने जलियांवाला बाग का बदला लेने वाले शहीद उधम सिंह को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय में आज 1919 में हुए जलियांवाला बाग का बदला लेने वाले शहीद उधम सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया गया।

इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और महासचिव आरिफ वारसी ने बताया कि 26 दिसंबर 1899 को पंजाब के एक गांव में उधम सिंह का जन्म हुआ था। बचपन में उनके माता-पिता चल बसे थे अनाथालय में उनका पालन पोषण हुआ। 1913 को वह अनाथालय से निकलकर देश के लिए कुछ कर गुजरने के लिए वह आजादी की लड़ाई में कूद गए। जलियांवाला बाग के मुख्य आरोपी जनरल डायर को मौत के घाट उतारने वाले उधम सिंह जी को 31 जुलाई 1940 को उन्हें फांसी दे दी गई थी।

उधम सिंह जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी,उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल,इम्तियाज अहमद, दानिश नूर, प्रदीप कुकरेती, सुशील विरमानी, पारस यादव ,जय बिष्ट आदि अनेक लोक उपस्थित रहे।

हिंदी के प्रोफेसर की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ.शम्भू दत्त की सेवा निवृत्ति के अवसर पर एक भव्य विदाई समारोह आयोजित हुआ।

डॉ. शम्भू दत्त पाण्डेय हिंदी की अकादमिक एवं रचनात्मक दुनिया के अत्यंत समादृत हस्ताक्षर हैं। प्राध्यापक के रूप में आपकी यह यात्रा राजकीय महाविद्यालय, चम्बा, टिहरी गढ़वाल (29.04.1997) से आरम्भ हुई। इस अध्यापकीय यात्रा में आप राजकीय महाविद्यालय, खटीमा, ऊधम सिंह नगर से होते हुए आप 09 सितम्बर 2009 को इस महाविद्यालय से जुड़े और 31 जुलाई, 2025 तक कार्यरत रहे।

28 वर्षों की अपनी सुदीर्घ शैक्षणिक यात्रा में आपने अपनी सेवा, निष्ठा, और कठिन परिश्रम से हिंदी की अकादमिक और सृजनात्मक दुनिया को समृद्ध किया है।महाविद्यालय और विद्यार्थियों के चतुर्दिक उन्नयन में आपकी सकारात्मक भूमिका सदैव सबके लिए प्रेरणा का कार्य करती रहेगी।आपने नियमित शिक्षण कार्य के अतिरिक्त महाविद्यालय से जुड़े विभिन्न दायित्वों का सम्पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन किया है। आपके पाँच कविता संग्रह - या, तो, कुढब कुबेला, बीच दिसम्बर, भरा हुआ एक मौन, दो कहानी संग्रह - यहीं कहीं से, यहां बर्फ गिर रही है तथा दो उपन्यास - हलफनामा और पीले पन्ने प्रकाशित हैं, जिन्हें पाठकों का अथाह आदर और प्रेम प्राप्त होता रहा है। इस विशिष्ट रचनाकर्म के लिए आपको परम्परा सम्मान, शब्द साधक सम्मान, आचार्य निरंजननाथ सम्मान, परिवेश सम्मान, वर्तमान साहित्य सिसौदिया सम्मान, शैलेश मटियानी कथा सम्मान, महादेवी वर्मा सम्मान जैसे महत्वपूर्ण सम्मानों से पुरस्कृत किया गया है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सर्वजीत सिंह ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आपकी कर्तव्यनिष्ठा, गरिमापूर्ण व्यक्तित्व, विशिष्ट अध्येयतृता और साहित्यिक उपलब्धियों की अनुगूँज हमेशा हम सबको प्रेरित करती रहेगी । इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार ने आपके स्वस्थ्य, सुदीर्घ और सृजनात्मक जीवन के लिए मंगल कामनायें अर्पित कीं । इस विदाई समारोह में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक और कर्मचारी उपस्थित रहे ।

पैसे व एटीएम कार्ड छीनने वाले गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। चकराता निवासी टीकम तोमर ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अमर स्वीट शॉप के पास गली में खडा था तभी वहां पर दो लोग आये और उससे 12 हजार रूपये एटीएम कार्ड व आईडी छीनकर ले गये।

पुलिस ने क्षेत्र में आरोपियों की तलाश कि तो उनको थोडी देर बाद ही पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटे हुए पैसे व एटीएम कार्ड व आईडी बरामद कर ली।

पूछताछ में उन्होंने अपने नाम समीर पुत्र मासूम निवासी ईसाई कब्रिस्तान के पास विकासनगर व आसिफ पुत्र राशिद निवासी मुस्लिम बस्ती विकासनगर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उ नको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मतगणना के दौरान जिलाधिकारी ने किया चंबा ब्लॉक का निरीक्षण

हमारे संवाददाता

टिहरी। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2025 के अंतर्गत आज चंबा ब्लॉक में मतगणना कार्य का शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी संचालन सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खण्डेलवाल द्वारा मतगणना स्थल का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मतगणना कक्षों, स्ट्रॉंग रूम, सुरक्षा व्यवस्था तथा मतगणना कर्मियों की तैनाती की समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को मतगणना प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि मतगणना के प्रत्येक चरण की वीडियोग्राफी की जा रही है तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने मतगणना कार्मिकों से कार्य में पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता बनाए रखने की अपील की। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक टिहरी आयुष अग्रवाल, सीडीओ वरुणा अग्रवाल, आरओ जातेश सैनी, चम्बा खंड विकास अधिकारी शाकिब हुसैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विधायक प्रीतम सिंह ने की महंत देवेन्द्र दास से शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

देहरादून। पूर्व नेता प्रतिपक्ष व चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने श्री गुरू रास राय दरबार के महंत देवेन्द्र दास से शिष्टाचार भेंट कर उनको श्रावण मास के त्यौहारों व हरियाली तीज की शुभकामनाएं दी।

आज चकराता विधायक एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने श्री गुरू रामराय दरबार साहिब के महंत देवेन्द्र दास से शिष्टाचार भेंट की तथा उन्हें श्रावण मास के त्यौहारों व हरियाली तीज की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि श्री गुरूराम राय संस्था द्वारा महंत देवेन्द्र दास जी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में जो अहम योगदान दिया जा रहा है वह प्रसंसनीय है। आज श्री गुरूराम राय संस्था द्वारा प्रदेश के गरीब परिवार के लोगों को शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर प्रगति की जा रही है जिसके लिए पूरे प्रदेशवासी श्री गुरूराम राय संस्था एवं महंत देवेन्द्र दास जी के आभारी हैं। इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार उपस्थित थे।

हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल करते समय इन बातों का रखें खास ध्यान, मिलेगा फायदा

हेयर स्ट्रेटनर एक ऐसा उपकरण है, जो बालों को सीधा करने में मदद करता है। हालांकि, इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है ताकि बालों को किसी भी तरह का नुकसान न पहुंचे। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी जरूरी बातें बताते हैं, जिनका ध्यान रखकर आप अपने हेयर स्ट्रेटनर का सही और सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं और अपने बालों को खूबसूरत बना सकते हैं।

बालों को साफ और सुखाएं

हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल करने से पहले अपने बालों को अच्छे से धो लें और उन्हें पूरी तरह से सुखा लें। गीले बालों पर सीधे स्ट्रेटनर न लगाएं क्योंकि इससे बालों को नुकसान पहुंच सकता है। गीले बालों पर सीधा स्ट्रेटनर लगाने से बाल टूट सकते हैं और उनकी चमक भी कम हो सकती है। इसलिए हमेशा सूखे और साफ बालों पर ही हेयर स्ट्रेटनर का उपयोग करें।

हीट प्रोटेक्टेंट का करें उपयोग

हेयर स्ट्रेटनर से पहले हीट प्रोटेक्टेंट लगाना बहुत जरूरी है। यह आपके बालों को गर्मी से होने वाले नुकसान से बचाता है। हीट प्रोटेक्टेंट बालों को नमी प्रदान करता है और उन्हें टूटने से रोकता है। हीट प्रोटेक्टेंट लगाने के बाद कुछ मिनट इंतजार करें ताकि यह अच्छी तरह से बालों में समा जाए। इसके बाद ही हेयर स्ट्रेटनर का उपयोग करें। इससे आपके बालों की चमक बनी रहती है और वे स्वस्थ दिखते हैं।

तापमान सेटिंग्स पर ध्यान दें

अलग-अलग प्रकार के बालों के लिए अलग-अलग तापमान सेटिंग्स होती हैं। मुलायम बालों के लिए कम तापमान, मोटे और घुंघराले बालों के लिए अधिक तापमान चुनें। इससे आपके बाल सही तरीके से सीधे होंगे और उन्हें कोई नुकसान भी नहीं होगा। इसके अलावा तापमान सेटिंग्स का सही उपयोग करने से बालों की चमक बनी रहती है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इसलिए हमेशा अपने बालों के प्रकार के अनुसार ही तापमान सेटिंग्स चुनें।

स्ट्रेटनर की प्लेट्स को साफ रखें

हर बार उपयोग के बाद अपने हेयर स्ट्रेटनर की प्लेट्स को साफ करें। इसके लिए गीले कपड़े या टिश्यू का उपयोग करें। इससे किसी भी उत्पाद या बालों के अवशेष प्लेट्स पर नहीं रहेंगे, जिससे अगली बार उपयोग करने पर आपके बाल सही तरीके से सीधे होंगे। साफ-सफाई न करने पर अवशेष इकट्ठे हो सकते हैं, जिससे स्ट्रेटनर की कार्यक्षमता पर असर पड़ सकता है और यह लंबे समय तक सही ढंग से काम नहीं करेगा।

बालों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटे

बालों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर स्ट्रेटनर का उपयोग करें। इससे हर हिस्सा बराबर गर्मी मिलेगी और आपके बाल बेहतर तरीके से सीधे होंगे। छोटे हिस्सों में काम करने से आपको यह पता चलेगा कि कहां-कहां ज्यादा गर्मी की जरूरत है और कहां कम। इससे आपके बाल एकसमान तरीके से सीधे होंगे और उनका लुक भी बेहतर दिखेगा। इस तरह से आप अपने हेयर स्ट्रेटनर का सही और सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं।

फिल्म अल्कोहल से अल्लारी नरेश की फर्स्ट लुक आउट

तेलुगु सिनेमा के चर्चित बैनरों में से एक, सिथारा एंटरटेनमेंट्स, अपनी अगली धमाकेदार परियोजना अल्कोहल को प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें अल्लारी नरेश मुख्य भूमिका में हैं। अल्लारी नरेश के जन्मदिन के अवसर पर फ़िल्म का पहला लुक जारी किया गया है। मेहर तेज द्वारा निर्देशित और एस. नागा वामसी व साई सौजन्या द्वारा निर्मित, फॉर्च्यून फोर सिनेमाज़ के सहयोग से और श्रीकारा स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत इस फ़िल्म का निर्देशन श्रीकारा स्टूडियोज़ ने किया है।

फ़िल्म के पहले पोस्टर ने पहले ही काफ़ी चर्चा बटोर ली है, जिसमें अल्लारी नरेश का अल्कोहल में डूबा हुआ एक क्लोज़-अप दृश्य है, जो एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करता है जो भ्रम और वास्तविकता के बीच की धुंधली रेखाओं को उजागर करती है। इस फ़िल्म में रूहानी शर्मा सहित प्रभावशाली कलाकार और एक प्रतिभाशाली क्रू शामिल है, जिसका संगीत घिबरन ने दिया है, छायांकन जीजू सनी ने किया है और संपादन निरंजन देवरामने ने किया है।

मेहर तेज द्वारा लिखित और निर्देशित, अल्कोहल की कहानी एक मनोरंजक कहानी प्रतीत होती है जो मानवीय भावनाओं की जटिलताओं को उजागर करती है। विशाल अबानी द्वारा निर्मित और उद्भव रघुनंदन द्वारा सह-लिखित प्रोडक्शन डिज़ाइन, फ़िल्म की उत्सुकता को और बढ़ा देता है। ऐसा लगता है कि यह निर्माता सूर्यदेवरा नागा वामसी के पोर्टफोलियो में एक और रोमांचक फ़िल्म है।

अल्लारी नरेश की मुख्य भूमिका वाली अल्कोहल एक गहन और रोमांचक सफ़र का वादा करती है। अल्लारी नरेश, जो एक बार फिर गंभीर भूमिकाओं के साथ एक नया रास्ता अपना रहे हैं, एक गंभीर कहानी लेकर आ रहे हैं। हालाँकि, सिथारा एंटरटेनमेंट्स के निर्देशन में, अल्कोहल निश्चित रूप से एक ऐसी परियोजना है जिस पर ध्यान देना ज़रूरी है।

वेट लॉस में मददगार है सेब और शहद

फिट और हेल्दी रहना न सिर्फ आपकी सेहत के लिए अच्छा है बल्कि आपको अपनी हर दिन काम करने के लिए जिस एनर्जी और फुर्ती की जरूरत होती है उसके लिए भी बेहद जरूरी है कि आप फिट रहें। कई बार समय की कमी या हेल्थ इशूज की वजह से लोग उतना वजन नहीं घटा पाते जितना वो चाहते हैं। हम आपको बता रहे हैं एक ऐसी सिंपल चीज के बारे में जिसके जरिए आप आसानी से घटा पाएंगी अपना वजन। हम बात कर रहे हैं सेब और शहद की...

जहां तक बात महिलाओं की है तो उन्हें तो वजन कम न हो तो स्ट्रेस और डिप्रेशन तक हो सकता है क्योंकि वे अपने लुक्स को लेकर बेहद कॉन्शस रहती हैं। लिहाजा महिलाओं को अक्सर आसान तरीकों की खोज रहती है जिसके जरिए वे अपना वजन घटा सकें।

ऐपल यानी सेब डॉक्टर को तो दूर रखने में मदद करता ही है, मिनरल्स, प्रोटीन्स, ऐंटिऑक्सिडेंट्स और फाइबर से भरपूर सेब सबसे हेल्दी फलों में से एक है जो वेट लॉस में भी असरदार साबित होता है। सेब, वेट लॉस के साथ ही ब्रेन हेल्थ के लिए अच्छा है और डाइजेशन में भी मदद करता है। हर दिन ऐपल खाने से डायबीटीज और कैंसर जैसी बीमारी भी नहीं होती।

जब बात वेट लॉस यानी वजन घटाने की आती है तो उसमें भी शहद को काफी असरदार माना जाता है। चूंकि शहद में आर्टिफिशल स्वीटनर नहीं होता यानी यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है इसलिए हर दिन शहद खाने से स्वीट क्रेविंग्स दूर होती है और बॉडी को भी पोषण मिलता है। आप चाहें तो सुबह-सुबह गर्म पानी में नींबू के साथ शहद का सेवन करके भी वजन घटा सकते हैं। हालांकि सेब और शहद को साथ में खाने से तेजी से वेट लॉस में मदद मिल सकती है। इसके लिए आप एक सेब को क्रश करें और उसमें शहद मिलाकर खाएं। या फिर आप चाहें तो सेब के स्लाइस काटकर उसे भी शहद में डुबोकर खा सकते हैं। शहद और सेब साथ में खाने से न सिर्फ मीठे की क्रेविंग दूर होगी, लंबे वक्त तक आपका पेट भरा हुआ महसूस होगा और कैलरी कंट्रोल करने में भी मदद मिलेगी।

कॉम्प्लैक्शन के हिसाब से ऐसे चुनें नेलपेंट

मेकअप अगर आप स्किन टोन के हिसाब से चुनेंगे तो यह आपकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देगा। लिपस्टिक, ब्लश और आइ शैडो का चुनाव तो स्किन को ध्यान में रखकर करना ही चाहिए यहां सिलेब नेल एक्सपर्ट से जानें कैसे कॉम्प्लेक्शन से मैच करें अपना नेल कलर...

अगर आपकी रंगत गोरी है तो सॉफ्ट बेरी और ब्लू अंडरटोन के साथ वाइन रेड, डस्टी रोज, पारदर्शी, शाइनी पिंक जैसे कलर आप पर जंचेंगे।

अगर आपकी गेहुंए रंग की हैं तो गहरे या रोजी पिंक, प्लम, बेरीज या डीप ब्राउन रेड कलर बढ़िया लगेंगे। आपकी स्किन टोन पर स्काई ब्लू कलर काफी खूबसूरत लगेगा। कॉफी या चॉकलेट से मिलते हुए कलर भी काफी खूबसूरत दिखेंगे।

अगर आपकी स्किन डार्क है तो ब्राउन का कोई भी शेड आप पर अच्छा लगेगा। शीयर, शिमर लाइट ब्राउन से कॉफी टोन तक सब अच्छे लगेंगे।

यादा पीलापन लिए ब्राउन नेलपेंट या येलो अंडरटोन न लगाएं वर्ना लगेगा कि आप सिगरेट ज्यादा पीती हैं।

मुंहासे भी आपको बना सकते हैं डिप्रेशन का शिकार

क्या आपके भी चेहरे पर मुंहासे हैं जिन्हें हर दिन आइने में देखकर आप यही सोचते हैं कि आखिर ये मेरे ही चेहरे पर क्यों आ गए, इनसे मेरी खूबसूरती खराब हो रही है? क्या आप भी दिनभर इन मुंहासों को हटाने के तरीकों के बारे में ही सोचते रहते हैं? अगर इन सवालों का जवाब हां है तो सावधान हो जाइए क्योंकि चेहरे पर साधारण से दिखने वाले ये मुंहासे भी आपको डिप्रेशर का शिकार बना सकते हैं।

जी हां, वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक शोध से पता चला है कि वैसे लोग जिनके चेहरे पर मुंहासे होते हैं उनमें डिप्रेशन के विकसित होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। लेकिन डिप्रेशन जैसी समस्याओं से ग्रसित होने का खतरा मुंहासों के पता चलने के बाद पहले 5 वर्षों तक ही रहता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी ने यूके के एक बड़े प्राथमिक देखभाल डेटाबेस द हेल्थ इंप्रूवमेंट नेटवर्क (टीएचआईएन) के 1986 से 2012 तक के आंकड़ों का विश्लेषण किया।

इस विश्लेषण के आधार पर वैज्ञानिकों

का मानना है कि मुंहासे के कारण डिप्रेशन का खतरा अधिक बढ़ जाता है। इस अध्ययन में पाया गया है कि मुंहासे का पता चलने के पहले 1 वर्ष में डिप्रेशन जैसी समस्याओं का जोखिम सबसे ज्यादा रहता है। जिन लोगों को मुंहासे की समस्या नहीं है उनकी तुलना में मुंहासे से पीड़ित व्यक्ति में डिप्रेशन का खतरा 63 प्रतिशत अधिक रहता है और इसकी संभावना 1 वर्ष के बाद कम होती जाती है।

स्किन के डॉक्टर डिप्रेशर के लक्षणों की भी करें जांच

इसलिए यह जरूरी है कि स्किन डॉक्टरों को मुंहासे के रोगियों में समय-समय पर डिप्रेशन के लक्षणों की भी जांच करते रहना चाहिए। इसके जोखिम को कम करने के लिए शीघ्र उपचार शुरू कर देना चाहिए। अगर इलाज के दौरान कोई समस्या पैदा होती है तो ऐसे स्थिति में साइकायट्रिस्ट से भी राय लेनी चाहिए।

अंधविश्वास की भट्ठी में झुलसती मानवता

अवनीश कुमार गुप्ता

वही क्षण था जब चंद्रयान-3 ने चांद की सतह पर भारत का झंडा स्थापित कर विज्ञान की नई ऊंचाइयों को छू लिया, लेकिन उसी समय भारत के ही एक गांव में कुछ लोगों ने एक परिवार के पांच सदस्यों को %डायन' कह कर जिंदा जला दिया।

ये दो घटनाएं किसी कल्पना की उपज नहीं, बल्कि हमारे समय और समाज की दो परस्पर विरोधी सच्चाइयों का आईना हैं। एक ओर अंतरिक्ष में विजय तो दूसरी ओर अंधविास की भट्ठी में झुलसती मानवता।

बिहार के पूर्णिया जिले के टेटगामा गांव में तीन महिलाओं और दो पुरु षों को %डायन' बता कर पीटा गया और पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जला दिया गया। इस अमानवीय कृत्य में लगभग 150 लोगों की भीड़ शामिल थी। यह केवल हत्या नहीं, बल्कि उस तार्किक चेतना की हार थी जो हमारी संस्कृति और संविधान, दोनों में प्रतिष्ठित है। यह घटना एक गांव या राज्य की समस्या नहीं, उस सोच का परिणाम है जहां विज्ञान का दीपक जलाए बिना ही हम आधुनिक बनने का भ्रम पालते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2000 से 2016 तक बिहार में 2,500 से अधिक डायन-हत्या की घटनाएं हो चुकी हैं। यह आंकड़ा केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि सवाल है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं?

क्या तकनीक की प्रगति का लाभ चंद महानगरों और उच्च वर्ग तक ही सीमित रहेगा? क्या गांवों तक वैज्ञानिक सोच, संवेदनशीलता और मानवाधिकारों की चेतना पहुंची है? या फिर आधुनिकता मोबाइल और इंटरनेट की सुविधा तक ही सिमट गई है? यह घटना न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि संविधान और कानून की विफलता भी है। जब पूरा गांव एक अमानवीय कृत्य में शामिल हो, और पुलिस-प्रशासन निष्क्रिय बना रहे, तो सवाल उठता है कि लोकतंत्र के स्तंभ क्या चुनावों और भाषणों तक सीमित रह गए हैं? पुलिस की निष्क्रियता और प्रशासन की उदासीनता इस पूरे तंत्र पर गहरी चोट है, जो दिखाती है कि संवैधानिक ढांचे के भीतर भी बहुत सी दरारें हैं, जिन्हें भरने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं, पूरे समाज की है।

हमारे पूर्वजों की परंपरा में तर्क, विज्ञान और विवेक का बहुत महत्त्व था। आर्यभट्ट, वराहमिहिर, चरक, सुश्रुत जैसे नाम केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक परंपरा की नींव थे। लेकिन क्या आज उनके विचारों की छाया हमारे गांव-कस्बों तक पहुंची है? किसी महिला के बीमार हो जाने पर भी उसका इलाज अस्पताल में कराने की बजाय उसे डायन कह कर जलाया जाता है, तो इसका मतलब है कि हमारा समाज अतीत के किसी अंधेरे कुएं में जा गिरा है।

मीडिया की भूमिका भी इस पूरे विमर्श में संदिग्ध है। आज की मीडिया सिर्फ सनसनी पर केंद्रत है। घटना की संवेदनशीलता को समझने के बजाय वे इसे टीआरपी की दौड़ में बदल देते हैं। क्या कोई समाचार संस्था बताती है कि इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं? क्या वे समाज को इस ओर मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं कि अंधविास, अज्ञानता और पाखंड का समूल नाश हो? नहीं। वे केवल क्लिप बनाते हैं, भावनाएं भड़काते हैं, पर कोई वैचारिक आंदोलन नहीं चलाते। ऐसी घटनाओं में भीड़तंत्र को तो जिम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए लेकिन उससे भी अधिक जिम्मेदार हैं वे संस्थाएं जो समाज को दिशा देने के लिए बनी हैं-शिक्षा संस्थान, धार्मिक संगठन, पंचायतें और प्रशासनिक तंत्र। अगर इन सबकी चुप्पी किसी एक क्रिया को संभव बनाती है, तो वह केवल सह-अपराध नहीं, बल्कि मानसिक अपराध भी है।

टीवी चैनल केवल सास-बहू के ड्रामे दिखाने की बजाय %डायन प्रथा खत्म करो' जैसे अभियान को प्राथमिकता दें। पंचायतों में हर महीने तर्क आधारित संवाद हों। स्कूलों में छात्रों को परीक्षा की तैयारी नहीं, सामाजिक चेतना का पाठ भी पढ़ाया जाए। सनातन परंपरा का मूल तत्व ही है करु णा, विवेक और ज्ञान। यदि समाज में धर्म के नाम पर ही हिंसा होती है, तो वह धर्म नहीं, अधर्म है। हमें सनातन के उन मूल्यों की पुनर्स्थापना करनी होगी जो हर जीव में आत्मा का दर्शन कराते हैं, न कि उसे जला देते हैं। जब चंद्रयान-3 भारत की तकनीकी क्षमता का प्रतीक बन कर चांद पर उतरता है, तो उसके साथ भारत की आत्मा भी आसमान छूने की आकांक्षा करती है।

लेकिन जब किसी गांव में एक महिला को डायन कह कर जिंदा जलाया जाता है, तो वह आत्मा चीत्कार करती है। यह हमारे समय का विरोधाभास है-एक ओर विज्ञान, दूसरी ओर अंधविास; एक ओर अंतरिक्ष में सफलता, दूसरी ओर सामाजिक अधपतन। भारत का भविष्य तभी सुरक्षित होगा जब विज्ञान और विवेक का उजाला हर गांव, घर और मन में पहुंचेगा। %तमसो मा ज्योतिर्गमय' केवल श्लोक नहीं, सामाजिक अभियान होना चाहिए-अज्ञान से ज्ञान, अंधकार से प्रकाश, हिंसा से करु णा, और भीड़ से विचार की ओर। तभी हम सच्चे अथरे में मानवता-सम्मत भारत बना सकेंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बिहार चुनाव के नतीजे हवा का रुख बतायेंगे

अशोक शर्मा

इस साल के बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजे अगले साल पश्चिम बंगाल और असम में होने जा रहे चुनावों के लिए हवा का रुख बताने वाले होंगे। इन तीनों ही राज्यों में अवैध घुसपैठ एक प्रमुख मुद्दा है। तीनों ही राज्यों में अवैध मतदाता हैं. जिनमें से ज्यादातर बांग्लादेश और नेपाल से हैं। कुछ म्यांमार से भी हैं। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण में 5त्न से ज्यादा अवैध मतदाता सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर या तो अब मृत हैं या फर्जी वोटर हैं या स्थायी रूप से राज्य छोड़कर जा चुके हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी हैं, जो भारतीय नागरिक नहीं हैं और इस कारण वोट देने के पात्र नहीं हैं। सवाल उठता है उन्हें आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र और राशन कार्ड कैसे मिले? जाहिर है अवैध तरीके से। बिहार में ऐसे बिचौलियों की कमी नहीं है, जो पैसा लेकर किसी भी दस्तावेज की जालसाजी कर सकते हैं।

ये फर्जी वोटर बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों को कितना प्रभावित कर सकते हैं? बिहार में 7.74 करोड़ पात्र मतदाता हैं। मान लें कि अगर इनमें से 1त्न भी फर्जी हुए तो लगभग 8 लाख मतदाता होंगे। अगर वे प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में केंद्रित हों और लामबंद होकर मतदान करें, तो कड़े मुकाबले वाली सीटों पर प्रभाव डाल सकते हैं। ध्यान रहे कि बिहार का चुनाव विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में मिली करारी हार के बाद अब कांग्रेस और राजद को चुनावी रुख मोड़ने की जरूरत है।

ऐसे में राजद नेता तेजस्वी यादव को लोजपा के चिराग पासवान से अप्रत्याशित मदद मिल सकती है। चिराग एनडीए का हिस्सा हैं। वे बिहार की सक्रिय राजनीति में वापसी करने और अपने पिता रामविलास पासवान की विरासत को फिर से खड़ा करने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। केंद्र में मंत्री होने के नाते चिराग अभी एक बड़े तालाब की छोटी मछली हैं। बिहार में वे छोटे तालाब की बड़ी मछली साबित हो सकते हैं!

भाजपा और जदयू जानते हैं कि यह नीतीश का मुख्यमंत्री के रूप में आखिरी कार्यकाल हो सकता है। तब अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? भाजपा के मन में कई उम्मीदवार हैं। वह 2030 में या शायद उससे पहले ही नीतीश के सेवानिवृत्त होने का इंतजार कर रही है। वह चिराग की रणनीति भी जानती है, लेकिन अपने पत्ते नहीं खोल रही है। फिलहाल उसे लोजपा जैसी छोटी पार्टी की जरूरत है, जो चुनाव में भाजपा और जदयू के आंकड़ों में लगभग 5त्न वोटों का इजाफा करे और कड़े मुकाबलो में जीत दिलाए। 2020 में लोजपा ने 5.66त्न वोट-शेयर हासिल किया था। हालांकि उसने 137 सीटों पर चुनाव चुनाव लड़ा और सिर्फ एक ही सीट जीती, लेकिन वह नौ सीटों पर दूसरे स्थान पर रही थी।

पटना और बिहार के अन्य हिस्सों में हत्याओं की बढ़ती घटनाओं ने तेजस्वी यादव का हौसला बढ़ा दिया है। राजद और कांग्रेस को पता है कि उनके पास एनडीए के जातीय गणित को बिगाड़ने का छोटा-सा ही मौका है, लेकिन बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर हमला करके उन्होंने एनडीए को बैकफुट पर ला दिया है।

नीतीश द्वारा 35त्न सरकारी नौकरियों को महिलाओं के लिए आरक्षित करने का वादा एक महत्वपूर्ण लैंगिक जनसांख्यिकी को एनडीए के पक्ष में झुका सकता है। 1 अगस्त से घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने के नीतीश के वादे के बाद मोदी ने भी निजी क्षेत्र में पहली नौकरी करने वाले युवाओं को 15,000 रुपए की एकमुश्त राशि देने की पेशकश की है।

ममता बनर्जी और हिमंत बिस्वा सरमा बिहार में हो रही घटनाओं पर पैनी नजर रखे हुए हैं। बंगाल में घुसपैठ की समस्या बिहार से ज्यादा गंभीर है। असम की भी यही बिहार से कहीं ज्यादा गंभीर है। असम की भी कमोबेश यही स्थिति है। अगर बिहार की तरह पश्चिम बंगाल में भी पात्र मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाता है तो हिंसा भड़कना तय है।

इससे ममता को मुख्यमंत्री बनने में मदद भी मिल सकती है या उनका नुकसान भी हो सकता है। पिछले एक साल में हुए घोटालों की बाढ़ ने उदारवादी हिंदुओं को तृणमूल के खिलाफ किया है। लेकिन ममता का मुस्लिम वोट बैंक बरकरार है। अगर बंगाल में मतदाता पुनरीक्षण का प्रयास किया जाता है, तो मुस्लिम वोट तृणमूल के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं। असम में शायद मुस्लिम वोट या अवैध घुसपैठिए अपने दम पर कांग्रेस को जिताने में मददगार साबित नहीं होंगे। हाल ही में राहुल गांधी असम पहुंचे थे। वहां उनके भाषण के बाद हिंसा भड़क उठी। इस पर सरमा ने राहुल पर राज्य में ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाया। बंगाल और असम में चुनाव प्रचार शुरू होने से पहले बिहार के नतीजे आ चुके होंगे और वे बताएंगे कि हवा किस दिशा में बह रही है।

शब्द सामर्थ्य -32

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

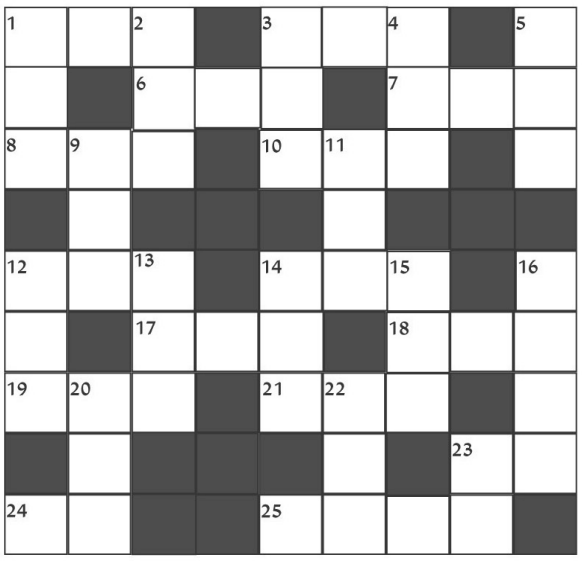

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 31 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

पूजा भट्ट ने किया पॉडकास्ट शो द पूजा भट्ट शो का ऐलान

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री, निर्देशक और फिल्म निर्माता पूजा भट्ट ने अपने पहले पॉडकास्ट शो का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम द पूजा भट्ट शो है। इस शो को आईहार्टपॉडकास्ट और मैमथ मीडिया एशिया के सहयोग से तैयार किया जा रहा है। पूजा का पॉडकास्ट शो द पूजा भट्ट शो इस साल सितंबर के आखिरी सप्ताह से आईहार्टपॉडकास्ट नामक इंटरनेट रेडियो प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होगा, जिसमें हर हफ्ते एक नया एपिसोड रिलीज किया जाएगा। पूजा इस शो के माध्यम से पॉडकास्टिंग की दुनिया में अपना पहला कदम रख रही हैं। इस शो में वह न सिर्फ अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी के अनुभवों और उतार-चढ़ाव को साझा करेंगी, बल्कि मनोरंजन जगत से जुड़ी कई अनसुनी और दिलचस्प कहानियों को भी दर्शकों के सामने लाने वाली हैं। बता दें कि पूजा ने 1989 में आई फिल्म डैडी से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, जिसका निर्देशन उनके पिता महेश भट्ट ने किया था। भट्ट ने कहा, मैं आईहार्टमीडिया के साथ साझेदारी कर द पूजा भट्ट शो लॉन्च करने को लेकर बहुत खुश हूं। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कई प्रेरणादायक कहानियां हैं। मैं इस शो के जरिए उन लोगों पर प्रकाश डालना चाहती हूं जो हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। अभिनेताओं से लेकर निर्देशकों तक, संगीतकारों से लेकर निर्माताओं और स्टाइलिस्टों तक...मैं अपनी जर्नी के उतार-चढ़ाव और लोगों की कहानियों को साझा करने को इच्छुक हूं, ये वो लोग हैं जिन्होंने मुझे प्रेरित किया। भारतीय फिल्म, संगीत और संस्कृति का असर पूरी दुनिया में तेजी से फैल रहा है। पूजा जी का कई सालों का अनुभव बॉलीवुड के फैंस और उन लोगों के लिए उपहार है जो भारतीय सिनेमा और रचनात्मक संस्कृति के बारे में अधिक जानना चाहते हैं। हम इस रोमांचक कार्यक्रम के लिए पूजा के साथ पार्टनरशिप करके बहुत खुश हैं। आईहार्टमीडिया और मैमथ मीडिया एशिया ने मिलकर द पूजा भट्ट शो लॉन्च किया है, जो कि दोनों का पहला पॉडकास्ट होगा। पूजा भट्ट द्वारा होस्ट किया जाने वाला शो सितंबर के आखिरी हफ्ते से प्रसारित किया जाएगा। दावा है कि शो में निर्देशकों और सुपरस्टार्स से लेकर बैकग्राउंड डांसर और स्पॉट बॉय तक सब कुछ कवर किया जाएगा।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर रिलीज हुई हाउसफुल 5

अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 ने दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया। उनकी यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया कमाई की। सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद अब हाउसफुल 5 ने ओटीटी का रुख किया है। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। हाउसफुल 5 ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रेंट पर उपलब्ध है। प्राइम वीडियो पर 349 रुपये में यह फिल्म आप रेंट पर ले सकते हैं। इस फिल्म में नाना पाटेकर, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, सोनम बाजवा, जैकलीन फर्नांडिस, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, चंकी पांडे, श्रेयस तलपड़े और जॉनी लीवर जैसे कलाकार नजर आए। बता दें, 250 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म हाउसफुल 5 ने बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्डवाइड 288.58 करोड़ रुपये कमाए थे। वर्ल्डवाइड कलेक्शन मिलाकर फिल्म अपने बजट से ज्यादा की कमाई कर चुकी है. इस फिल्म को लोगों ने काफी पसंद किया है. फिल्म एक कॉमिक-हॉरर फिल्म है. ये मर्डर मिस्ट्री कुछ लोगों को इंप्रेस नहीं कर पाई.

किरण अब्बावरम की के-रैंप का पहला लुक जारी, लुंगी पहने नजर आये अभिनेता

पिछले साल केए के साथ सुपरहिट फ़िल्म देने वाले युवा हीरो किरण अब्बावरम अपनी आगामी फ़िल्म के-रैंप के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो इस दिवाली रिलीज़ होने वाली है। इस फ़िल्म का निर्माण रज़ेश दंडा और शिवा बोम्मक ने हास्य मूवीज़ और रुद्रांश सेल्युलॉइड्स के बैनर तले किया है। यह फ़िल्म नवोदित जैन नानी द्वारा लिखित और निर्देशित है, और युक्ति थरेजा किरण अब्बावरम के साथ मुख्य भूमिका निभा रही हैं। फ़िल्म की शूटिंग तेज़ी से चल रही है, और निर्माताओं ने हाल ही में फ़िल्म का पहला लुक जारी किया है, जिसमें किरण अब्बावरम एक जीवंत पोस्टर में लुंगी पहने हुए दिखाई दे रही हैं। के-रैंप के पहले पोस्टर ने खूब सुर्खियाँ बटोरी हैं, पृष्ठभूमि में बोतलों की दिल के आकार की व्यवस्था एक विचित्र और दिलचस्प तत्व जोड़ रही है। फिल्म का संगीत चैतन भारद्वाज ने दिया है, जिन्होंने किरण अब्बावरम के साथ पहले भी एसआर कल्याण मंडपम और विनारो भाग्यमु विष्णु कथा जैसे ब्लॉकबस्टर एल्बमों में काम किया है। के-रैंप उनका तीसरा सहयोग होगा। के-रैंप एक रोमांचक और ऊर्जावान फिल्म होने का वादा करती है, जिसमें किरण अब्बावरम का विशाल अवतार दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगा। फिल्म के जीवंत फर्स्ट लुक पोस्टर ने फिल्म के स्वर और विषयवस्तु को लेकर उत्सुकता जगा दी है। चैतन भारद्वाज के संगीत और जैन नानी के निर्देशन के साथ, के-रैंप एक रोमांचक सफर साबित हो रहा है। किरण अब्बावरम दिलचस्प फिल्मों के साथ लगातार अपना करियर बना रहे हैं।

मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर शेयर की दिलकश तस्वीरें, फैंस बोले गॉर्जियस

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज़ को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह व्हाइट टॉप और ब्लू पोल्का डॉटेड शॉर्ट्स में बेहद स्टनिंग नजर आ रही हैं। तस्वीरों में उनका कूल अंदाज और स्माइल फैंस को काफी पसंद आ रहा है।मोनालिसा ने यह तस्वीरें शेयर करते हुए कोई लंबा कैप्शन तो नहीं लिखा, लेकिन उनकी पोस्ट पर फैंस के कमेंट्स की बारिश हो रही है। किसी ने उन्हें गॉर्जियस' कहा तो किसी ने हॉटेस्ट' बताते हुए दिल और फायर इमोजी भेजे। कुछ ही घंटों में तस्वीरों पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं, जो उनकी पॉपुलैरिटी को साबित करते हैं।

मोनालिसा का यह कैजुअल लेकिन स्टाइलिश लुक एक बार फिर फैंस के दिल जीतने में कामयाब रहा है। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली मोनालिसा अक्सर अपनी लाइफस्टाइल और लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जो मिनटों में वायरल हो जाती हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ और उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर छा गई हैं। फैंस अब बेसब्री से उनके अगले पोस्ट का इंतजार कर रहे हैं और लगातार प्यार और तारीफों से उनकी पोस्ट पर कमेंट कर रहे हैं।

पंजाबी की तुलना में तेलुगू फिल्म सेट पर रहती है ज्यादा गंभीरता : यामिनी मल्होत्रा

एक्ट्रेस यामिनी मल्होत्रा पंजाबी के साथ ही तेलुगू फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने दोनों इंडस्ट्री के काम करने के तौर-तरीकों में बड़ा अंतर बताया। यामिनी के अनुसार, पंजाबी फिल्मों के सेट किसी बड़े शादी फंक्शन जैसे होते हैं, जबकि तेलुगू सेट पर सख्त प्रोफेशनल माहौल रहता है।

उन्होंने कहा, पंजाबी फिल्म की शूटिंग किसी शादी फंक्शन की तरह है। हर कोई उत्साह से भरा होता है। खाना, हंसी-मजाक और म्यूजिक का माहौल रहता है। काम के बावजूद यह परिवार के एकजुट होने जैसा लगता है। शूटिंग के बाद लोग साथ में समय बिताते हैं, रिश्ते बनते हैं और माहौल बेहद दोस्ती भरा होता है।

वहीं, तेलुगू सेट्स के बारे में यामिनी का अनुभव बिल्कुल अलग है। उन्होंने बताया, तेलुगू सेट्स पर नियम और सटीकता की सख्ती होती है। हर कोई अपना काम करने के बाद वैनिटी वैन में चला जाता है। आपस में बातचीत बहुत कम होती है। माहौल पूरी तरह प्रोफेशनल और कभी-कभी मशीन जैसा लगता है।

बिग बॉस 18 की कंटेस्टेंट रहीं यामिनी दोनों इंडस्ट्री की खासियतों को पसंद करती हैं। उनके हिसाब से फिल्म के अनुसार माहौल का भी निर्धारण होता है। वे पंजाबी सेट्स की गर्मजोशी और तेलुगू सेट्स की दक्षता, दोनों का आनंद लेती हैं।

यामिनी अब बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली हिंदी फिल्म चिल मारना ब्रो जल्द रिलीज होगी। तेजस दत्तानी के निर्देशन में बनी यह फिल्म कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें ढेर सारे ट्विस्ट्स और हंसी-मजाक का तड़का है।

यामिनी ने बताया, एक्टिंग मेरा पैशन है। बॉलीवुड में कदम रखना मेरा सपना था, जो अब पूरा हो रहा है। फिल्म की कहानी मजेदार है, जिसमें कॉमेडी और ट्विस्ट्स का शानदार मिक्सअप है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता-नए भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

पीयूष गोयल

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोज़गार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा।

भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री की रणनीति- वर्ष 2014 में, मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुनः स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफटीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था।

यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की पाँच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है।

बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त- यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यापक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है। छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा। असंख्य रोज़गार- आकर्षक बाज़ार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से निर्यात स्थायित्व के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि होगी। भारत वस्त्र, चमड़ा और जूते से जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायता मिलने के साथ ही यह छोटे व्यावसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा।

रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि होने की आशा है।

किसान प्रथम- 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि-निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तीव्र वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

शुल्क-मुक्त बाज़ार पहुंच से अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाज़ार को खोल देगा, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे भी अधिक होगा।

हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला में रोज़गार के असंख्य अवसर सृजित होंगे।

कमज़ोर वर्गों की सुरक्षा-घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीए में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेयरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है।

ये रियायतें, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमज़ोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को रेखांकित करती हैं।

मछुआरों का विकास-भारतीय मछुआरे, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरे, ब्रिटेन के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से उल्लेखनीय विस्तार का अनुभव करेंगे।

झींगा और अन्य समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन का आयात शुल्क वर्तमान 20 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा।

यह संभावना अभूतपूर्व है क्योंकि ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.25 प्रतिशत है।

सेवाएं और पेशेवर-यह समझौता आईटी/आईटीईएस, वित्तीय सेवा और शिक्षा सहित विभिन्न सेवाओं को गति प्रदान करेगा और भारतीयों के लिए नवीन अवसरों का सजृन करेगा। इस समझौते में संविदा सेवा प्रदाता, व्यावसायिक यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और रसोइये सहित कुशल पेशेवरों के लिए भारत ने अनुकूल गतिशीलता प्रावधान सुनिश्चित किए हैं।अभिनव एफटीए-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत के एफटीए में वस्तुओं और सेवाओं के अलावा अन्य महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। इस एफटीए ने नए मानक स्थापित किए हैं। इस ईएफटीए के साथ, भारत ने 100 अरब डॉलर के निवेश की बाध्यकारी प्रतिबद्धता हासिल की है, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। ऑस्ट्रेलिया के एफटीए के साथ, भारत ने दोहरे कराधान के मुद्दे का समाधान किया, जो आईटी कंपनियों के लिए एक बाधा बना हुआ था।

इस एफटीए का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू दोहरा अंशदान समझौता है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं और अस्थायी भारतीय कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं-व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता युक्त वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्साहन और बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान किया है, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर वार्तालाप किया है।

सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया है। यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव होता है कि उद्योग निकायों ने मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते का भारी समर्थन और स्वागत किया गया है।

सीईटीए बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है। यह हमारे मूल हितों से समझौता किए बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

(लेखक भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)

सू- दोकू क्र.32

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.31 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

डॉ. प्रभात दीक्षित

भारत की न्यायिक व्यवस्था अब बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ा चुकी है। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने अब महीने में दो अतिरिक्त कार्य दिवस जोड़ने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

यानी अब दूसरे और चौथे शनिवार को भी सुप्रीम कोर्ट खुलेगा और नियमित मामलों की सुनवाई करेगा। यह फैसला केवल अदालत के काम के घंटे बढ़ाने का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसे समय में आया है जब देशभर में न्याय का बोझ बहुत बढ़ गया है। देश में वर्तमान समय में करीब 5 करोड़ मुकदमे अदालतों में लंबित हैं। इनमें से अकेले सुप्रीम कोर्ट में 72,000 से अधिक मामले पेंडिंग हैं।

हाईकोर्ट में यह संख्या लगभग 60 लाख के करीब है और सबसे ज्यादा भार तो निचली अदालतों पर है, जहां 4 करोड़ 30 लाख से अधिक मुकदमे वर्षो से फैसले की राह देख रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की यह पहल एक संकेत है कि न्यायपालिका अब खुद भी अपनी कार्य संस्कृति को बदलने को तैयार है और यह बदलाव केवल अदालतों के भीतर नहीं, बल्कि पूरे समाज में फैलना चाहिए, लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है कि क्या अदालतों के कार्य दिवस बढ़ा देने भर से समस्या हल हो जाएगी? जवाब है नहीं।

जब तक समाज, सरकार, मीडिया, पुलिस, प्रशासन और आम नागरिक सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझेंगे, तब तक अदालतों पर बढ़ता बोझ कम नहीं होगा। आज जरूरत इस बात की है कि आम आदमी खुद यह सोचे कि क्या हर विवाद अदालत तक ले जाना जरूरी है? अक्सर मामूली झगड़े जैसे कि जमीन के छोटे विवाद, पारिवारिक तनाव, लेन-देन की छोटी बातें भी कोर्ट तक पहुंचा दिए जाते हैं, जिन्हें बातचीत, पंचायत, मीडिएशन या लोक अदालत के जरिये सुलझाया जा सकता है।

आम जनता को समझना होगा कि हर मामला न्यायालय में ले जाना ही समाधान नहीं, कई बार यह समस्या को और उलझा देता है। वकीलों की भूमिका भी कम अहम नहीं है। वे मुकदमे की दिशा तय करते हैं, मुकदमा लड़ा जाए या सुलझाया जाए। अगर वे केवल जीत-हार की सोच से ऊपर उठकर न्याय दिलाने की भावना से काम करें, तो लाखों मामले अदालत तक पहुंचने से पहले ही सुलझ सकते हैं। साथ ही, यह भी जरूरी है कि वकील फर्जी या दुर्भावनापूर्ण मामलों को दर्ज करने से परहेज करें और मुवक्किल को वास्तविक कानूनी रास्ता दिखाएं। इसी तरह पुलिस और जांच एजेंसियों की भी सीधी भूमिका है। जब समय पर चार्जशीट दाखिल नहीं होती, जब जांच अधूरी रहती है, जब गवाहों की सुरक्षा नहीं होती, तब मामला खिंचता चला जाता है। न्याय प्रक्रिया तभी प्रभावी हो सकती है जब जांच समयबद्ध, निष्पक्ष और तकनीकी रूप से मजबूत हो। कई मामलों में पुलिस की लापरवाही ही न्याय में देरी की सबसे बड़ी वजह बनती है। प्रशासनिक अधिकारियों को भी अपनी भूमिका को गंभीरता से लेना होगा। जब भूमि विवाद, जाति प्रमाण पत्र, किराएदारी या राजस्व से जुड़े मामूली मसले प्रशासन द्वारा समय पर न सुलझाए जाएं, तो जनता के पास अदालत जाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता है। ऐसे में तहसीलदार, एसडीएम और अन्य अधिकारी अपने स्तर पर सक्रिय रहेंगे तो कोर्ट का बहुत सारा भार हल्का किया जा सकता है। वहीं मीडिया, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहलाता है, उसे भी जिम्मेदारी निभानी होगी। अक्सर देखा गया है कि मीडिया कुछ मामलों को इस तरह से उछाल देता है कि वह ट्रायल बाय मीडिया' बन जाता है। इससे न केवल न्याय की प्रक्रिया प्रभावित होती है, बल्कि जनता का भ्रम भी बढ़ता है। यदि मीडिया सकारात्मक भूमिका निभाए, तो न्यायपालिका और समाज के बीच की दूरी को पाटने का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। और अंत में, सरकार और नीति-निर्माताओं की भूमिका इस पूरी तस्वीर में केंद्रीय है। यदि जजों की संख्या पर्याप्त नहीं होगी, यदि अदालतों की इमारतें खस्ताहाल रहेंगी, यदि कोर्ट स्टाफ की ट्रेनिंग पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो कितने भी कार्य दिवस क्यों न बढ़ा दिए जाएं, नतीजे नहीं आएंगे।

हत्यारोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। हत्या के आरोप में फरार चल रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए जब उसने पुलिस पर फायरिंग की तो जवाबी कार्यवाही में वह गोली लगने से घायल हो गया जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार बीते मंगलवार की शाम लगभग 7.30 बजे, कोतवाली सितारगंज क्षेत्र के ग्राम सेजनी में पुलिस को सूचना मिली कि निशान सिंह पुत्र गोपाल सिंह निवासी ग्राम सेजनी ने आपसी कहासुनी में सुरजीत सिंह पुत्र धीर सिंह निवासी ग्राम सेजनी को गोली मार दी है। सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुँचा और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि निशांत सिंह और सुरजीत सिंह के बीच पानी की मोटर लगाए जाने को लेकर विवाद हुआ था। इस कहासुनी के दौरान, निशांत सिंह ने अपने पास मौजूद हथियार से सुरजीत सिंह पर सीधे फायर कर दिया। गंभीर रूप से घायल सुरजीत सिंह को तुरंत सीएचसी सितारगंज ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हत्या की इस वारदात के बाद पुलिस ने आरोपी निशान सिंह की तलाश शुरू कर दी। इस बीच बीती शाम एक सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा गोठा से बसगर की तरफ जाने वाले रास्ते पर जब एक बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया गया तो बाइक सवार द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की गई। पुलिस टीम द्वारा पुनः उसको पकड़ने की कोशिश की गई तो आरोपी द्वारा फिर से फायरिंग की गई। पुलिस द्वारा की गयी जवाबी कार्यवाही में आरोपी के पैर में गोली लग गयी और वह घायल हो गया। जिसे पुलिस ने घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

शहीद ऊधम सिंह का शहादत दिवस बलिदान दिवस के रूप में मनाया

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। शहीद ऊधमसिंह के शहादत दिवस कों बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया। मेयर विकास शर्मा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, उप जिलाधिकारी गौरव पाण्डेय, डॉ. बलवीर सिंह कलेक्ट्रेट परिवार ने जिला कार्यालय में शहीद ऊधम सिंह के चित्र पर माल्यापर्ण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए शहीदों को नमन किया। श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात जिलाधिकारी ने कहा कि शहीद ऊधम सिंह के साथ ही देश के वीर शहीदों की कुर्बानी, बलिदान को कभी भी भुला नहीं सकते, जिनकी कुर्बानी और त्याग के कारण हम सभी नागरिक स्वतंत्र भारत में खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं, युवाओं को शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए देश और समाज को मजबूत बनाने का काम करना होगा।

मकान का ताला तोड जेवरात व नगदी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से जेवरात व लाखों की नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भुडडी गांव निवासी प्रीतम सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से सोने चांदी के जेवरात व एक लाख रूपये की नगदी व भगवान की चांदी की मूर्ति चोरी करके ले गये हैं।

दो दुपहिया वाहन चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंजारावाला निवासी इस्तियाज ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं बरोटीवाला निवासी ओमप्रकाश ने विकासनगर कोतवाली में अपनी दुकान के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सैनिक के बेटे की इलाज के अभाव में मौत राज्य पर कलंकः माहरा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने कहा कि चमोली के सुदूर गांव में रहने वाले सैनिक के बेटे की इलाज के अभाव में मौत राज्य के लिए कलंक है।

आज यहां कांग्रेस मुख्यालय पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने कहा कि उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त पड़ी हैं और पहाड़ी जिलों में तो स्वास्थ्य का पूरा सिस्टम खुद वेंटिलेटर पर है। उन्होंने चमोली के सुदूर गांव में रहने वाले सैनिक की पत्नी की पीड़ा का हवाला देते हुए कहा जिसका डेढ़ साल का बेटा चमोली से लेकर बागेश्वर के पांच अस्पतालों में भटकने के बाद इलाज के लिए तड़प तड़प कर मर गया। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा के लिए जम्मू कश्मीर में सीमा पर तैनात जवान के डेढ़ साल के बेटे को लेकर उसकी मां चमोली से लेकर बागेश्वर के पांच अस्पतालों में भटकी किंतु एक के बाद

एक उसको हायर सेंटर के लिए रेफर किया जाता रहा और आखिर में हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज के लिए एंबुलेंस का समय पर इंतजाम न होने के कारण बच्चे की मौत हो गई जो हमारे पूरे राज्य के लिए कलंक है।

माहरा ने कहा कि उत्तराखंड के नौजवान बड़ी संख्या में फौज में हैं और जब देश की रक्षा के लिए फौज में सेवा कर रहे नौजवानों को इस समाचार का पता चलेगा तो वे किस मनोयोग से देश की रक्षा और सेवा करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष माहरा ने कहा कि एक तरफ तो धामी सरकार सैनिकों के कल्याण के लिए बड़ी बड़ी घोषणाएं करते हैं दूसरी तरफ सीमा पर तैनात एक सैनिक के बच्चे की इलाज के अभाव में मौत हो जाती है इससे बड़ी शर्म की बात सरकार के लिए कुछ नहीं है। माहरा ने कहा कि आज राज्य में सरकार ने शिक्षा स्वास्थ्य जैसे जनता के मौलिक व आवश्यक जरूरतों के विषयों को त्याग कर अपना सारा ध्यान आबकारी व खनन के क्षेत्रों में केंद्रित कर दया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में सरकार ने सारी स्वास्थ्य सेवाएं पीपीपी मोड के सहारे छोड़ी हुई है जिससे राज्य भर में स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। जिला अस्पताल केवल रेफरल सेंटर बन कर रह गए हैं और वहां ना तो डॉक्टर हैं ना दवाएं और ध्वस्त पड़ी स्वास्थ्य सेवाएं पलायन का एक मुख्य कारण है। माहरा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस ध्वस्त पड़ी स्वास्थ्य सेवाओं के खिलाफ लगातार मुखर रही है और आने वाले दिनों में पाटी इस मुद्दे को विधानसभा में जोरदार तरीके से सरकार को घेरेगी।

चोरी की स्कूटी के साथ चोर गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की स्कूटी के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आमेद पुत्र हरिकेश निवासी एमडीडीए कॉलोनी, डालनवाला, देहरादून द्वारा कोतवाली पटेलनगर पर एक तहरीर दी कि कारगी चौक से उसकी स्कूटी को चोरी कर लिया गया है। तहरीर के आधार पर कोतवाली पटेलनगर में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के खुलासे हेतु पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मिली सूचना पर पुलिस बैरक ग्राउण्ड ब्रह्मपुरी पटेलनगर से घटना में शामिल कन्हैया पुत्र अमर सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से चोरी की गई स्कूटी प्लेजर एक्टिवा बरामद की गयी। पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि वो नशे का आदी है तथा अपनी नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये उसके द्वारा उक्त चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जिलाधिकारी और एसएसपी ने किया मतगणना स्थलों का निरीक्षण

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने एसएसपी के साथ विकासखंड खिर्सू एवं पौड़ी में बनाए गए मतगणना स्थलों का निरीक्षण कर मतगणना की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बताया कि मतदान शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से संपन्न हो रहा है। रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर (एआरओ) के माध्यम से मतगणना प्रक्रिया में लगे पर्यवेक्षकों एवं कार्मिकों की सतत निगरानी की जा रही है। जिलाधिकारी ने खिर्सू विकासखंड में मतदान आब्जर्वर के साथ मतगणना संबंधी चर्चा की तथा नोडल अधिकारी को मतगणना के उपरांत मतपेटियों को व्यवस्थित ढंग से रखने को कहा। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संतोष व्यक्त किया और बताया कि जनपद के सभी मतगणना स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात है। केवल अधिकृत अभिकर्ताओं को ही सघन तलाशी के बाद परिसर में प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। पौड़ी

विकासखंड में जिलाधिकारी ने लॉगबुक चेक की तथा मतगणना के बाद लिफाफे सील करने को कहा। साथ ही उन्होंने मतगणना के आंकड़ों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि टेबुलेशन की प्रक्रिया त्रुटि रहित ढंग से संपादित की जाय तथा संबंधित सीट पर अंतिम परिणाम आने के बाद परिणाम की घोषणा सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने बताया कि मतगणना स्थल पर भोजन, पेयजल और शौचालय जैसी आवश्यक सुविधाएं सुचारु रूप से उपलब्ध हैं। उन्होंने स्ट्रांग रूम और सीसीटीवी मॉनिटरिंग कक्ष का भी निरीक्षण किया और कहा कि विद्युत आपूर्ति अबाधित रहे। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतगणना प्रक्रिया पूरी होने तक पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जाय। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह, प्रेक्षक खिर्सू अभिषेक रुहेला, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र सेट, एएसपी अनूप काला, उपजिलाधिकारी नूपुर वर्मा, आरओ पौड़ी रोहित सिंह, आरओ खिर्सू परशुराम चमोली, खंड विकास अधिकारी पौड़ी सौरभ हांडा, खिर्सू हरेंद्र कोली सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जनमन अस्पताल को हाईटैक टीकाकरण कक्ष की सौगात

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने जनमन अस्पताल को हाईटैक टीककरण कक्ष की सौगात देते हुए मरीज, तीमारदारों में एक आस जगायी है।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुगम सुविध ाजन बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। जिलाधिकारी समय-2 पर सरकारी चिकित्सालयों में औचक निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं की धरातल स्थति जांचने का कार्य कर रहे है। जिलाधिकारी के निर्देशन जिला प्रशासन की कार्यशैली अब त्वरित संज्ञान एवं एक्शन की बन

❑डीएम सविन बंसल जिले में स्वास्थ्य सेवा सुधार के मिशन पर

गई है। माह जून में जिलाधिकारी ने उप जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय की तर्ज पर आधुनिक टीकाकरण कक्ष कार्य शुरू करने के निर्देश दिए थे, जिसका कार्य पूर्ण हो गया है।

अब चिकित्सालय के टीकाकरण कक्ष के विस्तारीकरण साथ ही बच्चों के अनुरूप साज-सज्जा कार्य किया जा रहा है। जिसमें महिलाओं बच्चों की बैठने की उचित व्यववस्था एवं एसी के साथ ही अलग पंजीकरण कांउटर बनाया गया है। वहीं चिकित्सालय जनमानस की सुविधा के दृष्टिगत दवाई वितरण कांउटर भी बढाए गए हैं।

विगत माह जून में निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने टीकाकरण कक्ष में भारी भीड़ अव्यवस्था के चलते नाराजगी जाहिर करते हुए जिला अस्पताल की तर्ज पर ऋषिकेश चिकित्सालय में भी मॉडल टीकाकरण कक्ष, विस्तारीकरण के साथ एयर कडीशन, सीटिंग, बच्चों के मनोरंजन सुविधा की फैसिलिटी विकसित करने के निर्देश दिए थे, जिस पर डीएम निरीक्षण के दूसरे ही दिन कार्य प्रारम्भ हो गया था। उप जिला चिकित्सालय ऋषिकेश के टीकाकरण कक्ष का कार्यपूर्ण हो गया है।

चोरनी ने खींचे महिला पुलिसकर्मियों के बाल

●सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी के पल्टन बाजार में एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। यहां एक सुनार की दुकान में चोरी करते हुए एक महिला को जब दुकान स्वामी ने पुलिस के हवाले किया तो चोर महिला ने महिला पुलिस कर्मियो के बाल ही खींच डाले। मामले का वीडियों सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। महिला नशे की हालत में बतायी जा रही है जिसके खिलाफ पुलिस ने पुलिस एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही की है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज व्यापार मंडल धामावाला के माध्यम से दूरभाष पर सूचना प्राप्त हुई कि झब्बालाल ज्वेलर्स के यहां एक महिला, जो नशे में प्रतीत हो रही है, उस पर दुकान से अंगूठी चोरी का सन्देह है, जिससे दुकान स्वामी द्वारा बात करने का प्रयास किया गया पर नशे में होने के कारण वह कोई बात नहीं मान रही है। उक्त सूचना पर कोतवाली नगर से महिला पुलिस कर्मियों सहित पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। मौके पर उक्त महिला की तलाशी ली गई तो महिला के पास से दो अंगूठियां बरामद हुई, जिस पर दुकान मालिक ज्वेलर्स से इस संदर्भ में अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रार्थना पत्र देने को कहा गया। हालांकि इस दौरान पकड़ी चोर महिला ने महिला पुलिस कर्मियों पर जोर दिखाते हुए उनके बाल तक खींच डाले। जिसका वीडियों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में दुकान स्वामी द्वारा महिला का छोटा बच्चा होने का हवाला देते हुए उसे मात्र चेतावनी देने तथा उक्त प्रकरण में कोई कार्यवाही न चाहने के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए प्रार्थना पत्र देने से इंकार किया गया। उक्त महिला के नशे की हालत में दुकान में हंगामा व अभद्रता करने पर मौके पर उपस्थित महिला पुलिस कर्मियों द्वारा उक्त महिला को हिरासत में लेते हुए थाने लाया गया तथा पुलिस अधिनियम के तहत उक्त महिला के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की गयी।

पुलिस ने की पुलिस एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही

एक लाख की चरस सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

टिहरी। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास 407 ग्राम चरस व तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना चम्बा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को बाइक सवार एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 407 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम सूर्यकान्त बेलवाल पुत्र गुणानंद बेलवाल निवासी ग्राम बटखेम, पोस्ट लमकोट थाना चम्बा टिहरी गढ़वाल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बरामद चरस की कीमत एक लाख रूपये बतायी जा रही है।

इलाज में लापरवाही बरतने वालों पर शासन सख्त

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बागेश्वर में इलाज के अभाव में एक वर्षीय बच्चे की मौत और अस्पतालों की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कुमाऊं कमिश्नर को जांच के आदेश देते हुए कहा गया है कि लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि अभी बीते दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह मामला प्रकाश में आया था। घटनाक्रम के अनुसार चमोली जिले के एक सैनिक दिनेश चंद्र के डेढ़ साल के बेटे की तबीयत खराब होने पर परिजन उसे ग्वालदम अस्पताल लेकर पहुंचे जहां से उसे कुमाऊँ मंडल के बैजनाथ रेफर कर दिया गया, वहां भी बच्चे को उचित इलाज नहीं मिल सका और उसे वहां से भी जिला अस्पताल बागेश्वर रेफर कर दिया गया। लेकिन बागेश्वर में बच्चे को इलाज नहीं मिल सका तथा उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इसी दौरान बच्चें की मौत हो गई।

मामले के संज्ञान में आने पर शासन स्तर पर इस मामले की जांच के आदेश

❑अस्पताल दर अस्पताल भटकने पर भी इलाज न मिलने पर बच्चें की मौत का मामला

भी दिए गए और एक कमेटी का गठन भी किया गया मगर इस जांच में चिकित्सा अधिकारियों द्वारा सिर्फ खाना पूर्ति ही कर दी गई और इसका दोष 108 एंबुलेंस सेवा के सर मार दिया गया। मामले ने जब तूल पकड़ा तो मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सख्त कदम उठाते हुए सचिव स्वास्थ्य राजेश कुमार को उचित कार्रवाई के आदेश दिए गए। स्वास्थ्य सचिव ने जांच रिपोर्ट तलब की और उसमें तमाम लापरवाही रेखांकित कर अब इस मामले की जांच कुमाऊं कमिश्नर से कराने और दोषियों के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री धामी ने इस पूरे प्रकरण पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यह अत्यंत ही दुखद है। तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं पर पहले से ही गंभीर सवाल उठते रहे हैं लेकिन यह प्रकरण पहाड़ कर स्वास्थ्य सेवाओं का हकीकत उजागर करने वाला एक दुखद सच है।

मालेगांव बम ब्लास्ट केस में प्रज्ञा ठाकुर समेत 7 आरोपी हुए बरी

कार्यालय संवाददाता

मुंबई। मालेगांव बम ब्लास्ट मामले में 17 साल के लंबे इंतजार के बाद गुरुवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने फैसला सुनाया। 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव में हुए बम धमाके के केस में एनआईए की विशेष अदालत ने आज सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। मालेगांव धमाके में छह लोगों की मौत हुई थी। ये मामला करीब 17 साल तक चलता रहा। ट्रायल के दौरान 34 गवाह बयान से पलट गए थे। अदालत ने अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से सुनवाई और अंतिम दलीलें पूरी करने के बाद 19 अप्रैल को अपना फैसला सुरक्षित रख

लिया था। अब कोर्ट ने सबूतों के अभाव में इन आरोपियों को बरी कर दिया। बरी होने वालों में बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और सेना के अधिकारी रहे लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित शामिल हैं। अदालत ने कहा कि जिस मोटरसाइकिल में धमाका हुआ, उसका मालिकाना हक प्रज्ञा ठाकुर से जोड़ने का कोई पक्का सबूत नहीं था। इसके अलावा, कर्नल पुरोहित समेत बाकी आरोपियों पर लगाए गए आतंकवाद विरोध ी कानून के तहत कार्रवाई करने में भी कानूनी प्रक्रिया की गलतियाँ पाई गईं।

कोर्ट के फैसले पर पीड़ित पक्ष ने नाराजगी जताई है। पीड़ित पक्ष डॉक्टर अंसारी ने कहा, कोर्ट का फैसला हम मानते हैं, लेकिन हम आगे जाकर मामले में अपील जरूर करेंगे। उस धमाके में कई लोगों की जान गई थी, कई घायल हुए थे। जिस समय ब्लास्ट हुआ था, जो जख्मी थे उनकी हमने मदद की थी। इंसाफ की लड़ाई अभी बाकी है।

बरी होने के बाद साध्वी प्रज्ञा ने कहा, मुझे 13 दिन तक टॉर्चर किया गया। 17 साल तक आतंकवादी बनाकर अपमानित किया गया। मेरा जीवन बर्बाद कर दिया गया।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।